## प्राथमिक शिक्षक

| वर्ष 4       | 15   | अंक 4                |  | अक्तूबर 2021 |  |
|--------------|--|----------------------|--|--------------|--|
|              | -  | इस अंक में           |  |              |  |
| संवाद<br>लेख | Ę  |                      |  | 3            |  |
| 1.           | प्राथमिक शिक्षा में अवधारणा-कार्टून की उपर<br>के अधिगम के संदर्भ में             | गोगिता विद्यार्थियों | आकांक्षा शुक्ला<br>अंजलि बाजपेयी       | 5            |  |
| 2.           | गणित मेला<br>सीखने-सिखाने का संरचनावादी आयाम                                     |                      | नीता रानी<br>डोरी लाल<br>जोगिंदर कुमार | 14           |  |
| 3.           | पहली कक्षा में <i>रिमझिम</i> द्वारा हिंदी भाषा-शिक्ष                             | णि                   | रमेश तिवारी                            | 25           |  |
| 4.           | प्राथमिक स्तर के हिंदी सुलेखन में लेखन उपव<br>तुलनात्मक प्रभाव                   | <b>क्र</b> णों का    | अश्विनी कुमार पाठक                     | 34           |  |
| 5.           | बच्चों का कक्षा में मूल्यांकन द्वारा सामाजिक<br>एक समीक्षा                       | स्तरीकरण             | एम.एम. रॉय<br>मीना सहरावत              | 44           |  |
| 6.           | प्राथमिक स्तर के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि<br>शिक्षा व्यवस्था का प्रभाव          | 'पर आँगनबाड़ी        | रवीन्द्र कुमार                         | 51           |  |
| 7.           | बिहार में अभिवंचित समुदाय के बच्चों को शि<br>में विद्यालय शिक्षा समिति की भूमिका | ाक्षाधिकार दिलाने    | अलप्ना शालिनी<br>विनय कुमार दास        | 59           |  |
| 8.           | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष परिप्रेक्ष्य<br>बहु-विषयक शिक्षा             | में समग्र एवं        | नरेश कुमार                             | 67           |  |



विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है। परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं—

(i) अनुसंधान और विकास,

(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर जिले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

| 9.                | वर्तमान समय में शिक्षक और शिक्षार्थियों के संबंधों<br>की समीक्षा एवं उपाय | चित्ररेखा<br>मनोज कुमार           | 76  |  |  |
|-------------------|---|-----------------------------------|-----|--|--|
| 10.               | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पंखों से नारी शिक्षा उड़ान                  | अमित अग्रवाल<br>अभिषेक कुमार सिंह | 89  |  |  |
| 11.               | बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन<br>एक परिचय                        | पद्मा यादव                        | 96  |  |  |
| विशेष             |   |                                   |     |  |  |
| 12.               | पर्यावरण अध्ययन का शिक्षणशास्त्र  |                                   | 102 |  |  |
| बालमन कुछ कहता है |   |                                   |     |  |  |
| 13.               | मेरी पेन्सिल  | प्रज्ञा गौड़                      | 125 |  |  |
| कविता             |   |                                   |     |  |  |
| 14.               | आओ शुरुआत करें  | अशोक कुमार ढोरिया                 | 126 |  |  |